THINK IAS JOIN SAMYAK

Samyak
An Institute For Civil Services

DAILY CURRENT नामा

21 अगस्त

9875170111
SAMYAK IAS, NEAR RIDDHI-SIDDHI, JAIPUR

Samyak
An Institute For Civil Services

निष्क्रिय इच्छामृत्यु

पाठ्यक्रम में प्रासंगिकता - सामान्य अध्ययन-II: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधनों से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित विषय

सुर्खियों में क्यों ?

- भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने एक वृद्ध दम्पति की अपने 30 वर्षीय बेटे हरीश राणा के लिए निष्क्रिय इच्छामृत्यु की याचिका को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है, जो एक इमारत की चौथी मंजिल से गिरने के बाद ।। वर्षों से बिस्तर पर पड़ा हुआ है। न्यायालय ने फैसला सुनाया कि यह मामला निष्क्रिय इच्छामृत्यु के योग्य नहीं है क्योंकि रोगी बाहरी जीवन रक्षक उपकरणों पर निर्भर नहीं है।

ऐतिहासिक संदर्भ:

- घटना: 2013 में एक बहुमंजिला इमारत से गिरने के बाद हरीश राणा को सिर में गंभीर चोटें आईं। तब से, वह बेहोशी की स्थिति में हैं, प्रतिक्रिया करने में असमर्थ हैं लेकिन अभी भी भोजन नली के माध्यम से पोषण प्राप्त कर रहे हैं।
- दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा उनके बेटे को इच्छामृत्यु देने पर विचार करने के लिए एक मेडिकल बोर्ड बनाने के उनके अनुरोध को अस्वीकार करने के बाद हरीश के वृद्ध माता-पिता सर्वोच्च न्यायालय में गए। सर्वोच्च न्यायालय। ने फैसला सुनाया कि यह मामला निष्क्रिय इच्छामृत्यु के मानदंडों को पूरा नहीं करता है।

न्यायालय का तर्क:

सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि निष्क्रिय इच्छामृत्यु में जीवन को बनाए रखने के लिए आवश्यक जीवन समर्थन या उपचार को रोकना शामिल है। चूँकि हरीश जीवित रहने के लिए किसी बाहरी उपकरण पर निर्भर नहीं है, इसलिए यह अनुरोध सक्रिय इच्छामृत्यु के अंतर्गत आता है, जो भारत में अवैध है।

इच्छामृत्यु

- निष्क्रिय इच्छामृत्यु: जीवन-समर्थन उपचार को रोककर या वापस लेकर किसी मरीज को जानबूझकर मरने देने की प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया जाता है।
- सक्रिय इच्छामृत्यु: इसमें सीधे तौर पर रोगी की मृत्यु शामिल होती है, जैसे घातक इंजेक्शन के माध्यम से; यह भारत में गैरकानूनी है.

- **सर्वोच्च न्यायालय ने अरुणा शानबाग बनाम भारत संघ के ऐतिहासिक मामले के बाद सख्त दिशा-निर्देशों के तहत 2018 में भारत में निष्क्रिय इच्छामृत्यु को वैध बनाया।**
- **जीवन का अधिकार: भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी देता है, लेकिन इसमें स्पष्ट रूप से मरने का अधिकार शामिल नहीं है।**
- **·वैश्विक परिप्रेक्ष्य: दुनिया भर में इच्छामृत्यु कानून में व्यापक रूप से भिन्नता है। उदाहरण के लिए, बेल्जियम, नीदरलैंड और कनाडा जैसे देशों ने सख्त शर्तों के तहत निष्क्रिय और सक्रिय इच्छामृत्यु दोनों को वैध बनाया है, जबकि भारत जैसे अन्य देशों में अधिक प्रतिबंधात्मक रूपरेखाएँ हैं।**

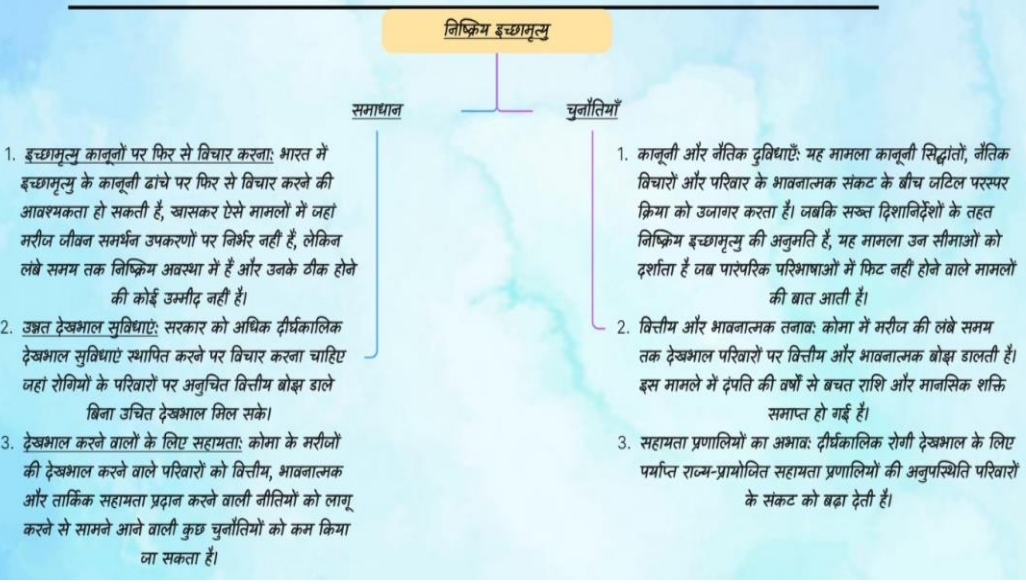

अन्य खबरें

चर्चा का विषय	महत्वपूर्ण जानकारी
भीमा नदी	• **इसके बारे में** -**कृष्णा नदी** की सबसे बड़ी सहायक नदी। • **उद्गम:** महाराष्ट्र के **पुणे जिले** में पश्चिमी घाट पर **भीमाशंकर पहाड़ियों** में भीमाशंकर मंदिर के पास। • **राज्य:** महाराष्ट्र, कर्नाटक और तेलंगाना। • **संगम:** यह **कर्नाटक के रायचूर** जिले में **कृष्णा नदी में** मिल जाती है। • **लंबाई:** 861 किमी • **बेसिन क्षेत्र:** 48,631 वर्ग किमी, जिसमें से 75% महाराष्ट्र में स्थित है। 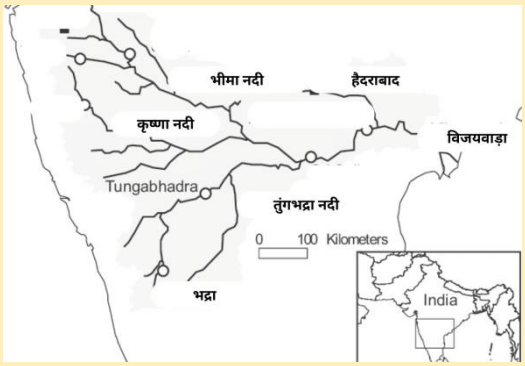 • **मौसमी नदी:** इसका जल स्तर मानसून पर निर्भर करता है • **सहायक नदियाँ:** इंद्रायणी नदी, मुला नदी, मुथा नदी और पवना नदी। • **धार्मिक महत्व:** **पंढरपुर** - दाहिने किनारे पर स्थित एक धार्मिक स्थल
तीस्ता नदी	• **सुर्खियों में क्यों** – हाल ही में सिक्किम के गंगटोक जिले में तीस्ता-V जलविद्युत स्टेशन स्थल पर भूस्खलन से छह घर और राष्ट्रीय जलविद्युत निगम (एनएचपीसी) की एक इमारत क्षतिग्रस्त हो गई। • **इसके बारे में:** **ब्रह्मपुत्र नदी की एक सहायक नदी**, जो भारत और बांग्लादेश से होकर बहती है। • **उद्गम:** सिक्किम में **त्सो ल्हामो झील** के पास हिमालय से • **स्रोत:** **तीस्ता खांगसे ग्लेशियर और छो ल्हामो।** • **लंबाई:** 309 किमी (192 मील) • **बाएं तरफ की सहायक नदियाँ:** लाचुंग छू, चाकुंग छू, डिक छू, रानी खोला, रंगपो छू। • **दाहिने तरफ की सहायक नदियाँ:** ज़ेमु छू, रंगयोंग छू, रंगित नदी। • **दो प्रमुख बड़े बैराज:** पश्चिम बंगाल में **गाजोलदोबा**, बांग्लादेश में भारत **दुआनी**
नामधारी संप्रदाय	• **सुर्खियों में क्यों** – हाल ही में हरियाणा के सिरसा जिले में नामधारी धार्मिक संप्रदाय के दो प्रतिद्वंद्वी समूहों के बीच हिंसक झड़प हो गई। • **स्थापना** - संप्रदाय की स्थापना **1857** में **सतगुरु राम सिंह** ने की थी। • **उद्देश्य** - यथास्थिति को चुनौती देना, सामाजिक सुधार की वकालत करना और विभिन्न तरीकों से अंग्रेजी हुकूमत का विरोध करना। • **कूका:** इन्हें "गुरबानी" (गुरु के कथन/शिक्षाएँ) सुनाने की अपनी विशिष्ट शैली के

	कारण ऐसा कहा जाता है। यह शैली ऊँची आवाज़ में होती थी जिसे पंजाबी में "कूक" कहा जाता था। इस प्रकार, नामधारियों को "कूका" भी कहा जाता था।
	• ***मान्यताएँ:***
	  ○ *वे **गुरु ग्रंथ साहिब को सर्वोच्च गुरबानी** मानते हैं, लेकिन वे **जीवित गुरु** में भी विश्वास करते हैं।*
	  ○ *नामधारी **गाय** को पवित्र मानते हैं, वे **शराब नहीं** पीते और **चाय और कॉफ़ी से भी परहेज़** करते हैं।*
	• ***मुख्यालय**: लुधियाना के भैणी साहिब*
	• ***डेरे**: पंजाब और हरियाणा में।*

ग्रीन टग ट्रांजिशन प्रोग्राम (जीटीटीपी) के लिए एसओपी	• ***सुर्खियों में क्यों –** केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री ने हाल में ही नई दिल्ली में ग्रीन टग ट्रांजिशन प्रोग्राम (जीटीटीपी) के लिए एसओपी का आधिकारिक तौर पर शुभारंभ किया।* ***ग्रीन टग ट्रांजिशन प्रोग्राम*** • ***लॉन्च**: 22 मई, 2023* • ***इसके बारे में:** 'पंच कर्म संकल्प' के तहत एक प्रमुख पहल जिसे भारतीय प्रमुख बंदरगाहों में संचालित पारंपरिक ईंधन आधारित हार्बर टग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने और उन्हें स्वच्छ एवं अधिक टिकाऊ वैकल्पिक ईंधन से संचालित ग्रीन टग से बदलने के लिए डिज़ाइन किया गया है।* • ***चरण I:** 1 अक्टूबर, 2024 - 31 दिसंबर, 2027* • ***5 प्रमुख बंदरगाह**- जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह प्राधिकरण, दीनदयाल बंदरगाह प्राधिकरण, पारादीप बंदरगाह प्राधिकरण और ओ. चिदंबरनार बंदरगाह प्राधिकरण प्रत्येक कम से कम 2 ग्रीन टग खरीदेंगे।* • ***नोडल एजेंसी:** नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन ग्रीन पोर्ट एंड शिपिंग (NCoEGPS)* • ***उद्देश्य**: 2030 तक 'ग्रीन शिप बिल्डिंग के लिए वैश्विक केंद्र' बनना।* ***टग क्या हैं?*** • *टग ऐसे समुद्री जहाज होते हैं जो **जहाजों को धक्का देकर या खींचकर** उनको **चलाने में मदद करते हैं।** वे उन परिस्थितियों में जहाजों को खींचते हैं जहाँ जहाज अपनी शक्ति का इस्तेमाल करके आगे नहीं बढ़ पाते जैसे कि संकीर्ण बंदरगाहों, नहरों आदि में।*
भविष्य सॉफ्टवेयर	• ***सुर्खियों में क्यों –** पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने सभी केंद्रीय सरकारी मंत्रालयों/विभागों के लिए **'भविष्य'** नामक एक **अद्वितीय नवीन केंद्रीकृत पेंशन प्रसंस्करण सॉफ्टवेयर** शुरू किया है।* ***भविष्य सॉफ्टवेयर के बारे में:*** • *पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग द्वारा शुरू की गई एक ऑनलाइन पेंशन*

	स्वीकृति और भुगतान ट्रैकिंग प्रणाली। • ***उद्देश्य:*** *पेंशन मामलों के प्रसंस्करण में देरी और लिपिकीय त्रुटियों की समस्याओं के साथ-साथ पेंशनभोगियों को होने वाली वित्तीय हानि और उत्पीड़न को दूर करना।*
क्वांटम नॉनलोकैलिटी	• ***सुर्खियों में क्यों*** *- नया शोध क्वांटम नॉन-लोकलिटी सहसंबंधों के अनुप्रयोगों को व्यापक बनाता है, जिनका उपयोग पहले से ही सुरक्षित संचार और क्रिप्टोग्राफ़िक कुंजी निर्माण में किया जाता है।* • ***इसके बारे में:*** *क्वांटम नॉनलोकलिटी क्वांटम कणों की एक दूसरे की स्थिति के बारे में तुरंत जानने और सहसंबंधित होने की क्षमता का वर्णन करती है, भले ही वे बहुत दूर हों।* • *यह सीधे "**स्थानीयता के सिद्धांत**" **का उल्लंघन** करता है, जो मानता है कि दूर स्थित वस्तुएं एक दूसरे को प्रभावित नहीं कर सकती हैं।* • *असमास्थता उलझाव की घटना के कारण उत्पन्न होती है, जिसके तहत एक दूसरे के साथ अंतःक्रिया करने वाले कण स्थायी रूप से सहसंबद्ध हो जाते हैं, या एक दूसरे की अवस्थाओं और गुणों पर निर्भर हो जाते हैं।*
पोर्टल DRIPS; जल विद्युत विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पोर्टल; परियोजनाओं की ऑनलाइन निगरानी के लिए पोर्टल - थर्मल (PROMPT)	• ***सुर्खियों में क्यों*** *- हाल ही में, केंद्रीय विद्युत मंत्री ने विद्युत क्षेत्र के लिए तीन ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च किए।* • ***पोर्टल DRIPS (विद्युत क्षेत्र के लिए आपदा रोधी अवसंरचना):*** *विशिष्ट विद्युत प्रणाली उपकरणों और महत्वपूर्ण आपूर्तियों की सूची के प्रबंधन के लिए सभी हितधारकों के लिए एकल संपर्क बिंदु के रूप में कार्य करेगा।* • ***जल विद्युत विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पोर्टल:*** *जल विद्युत परियोजनाओं और पंप भंडारण परियोजनाओं की सर्वेक्षण और जांच गतिविधियों की निगरानी के लिए।* • ***परियोजनाओं की ऑनलाइन निगरानी के लिए पोर्टल - थर्मल (PROMPT):*** *थर्मल विद्युत परियोजनाओं की वास्तविक समय में निगरानी और विश्लेषण की सुविधा के लिए।*
एरी सिल्क एवं ओको-टेक्स प्रमाणन	• ***सुर्खियों में क्यों*** *- हाल ही में, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (डोनर) के तहत **पूर्वोत्तर हस्तशिल्प और हथकरघा विकास निगम** (एनईएचएचडीसी) ने जर्मनी से अपने **एरी सिल्क के लिए** प्रतिष्ठित **ओको-टेक्स प्रमाणन सफलतापूर्वक प्राप्त किया** है।* ***एरी सिल्क के बारे में:*** • *दुनिया के एकमात्र शाकाहारी रेशम के रूप में प्रसिद्ध, जहाँ अन्य रेशमों के*

	विपरीत, कोकून के अंदर का कीट नहीं मारा जाता है और कीट स्वाभाविक रूप से कोकून से बाहर निकल जाता है, और इसे उपयोग के लिए पीछे छोड़ देता है। • ***पालतू रेशमकीट:*** *फिलोसामिया रिकिनी जो मुख्य रूप से अरंडी के पत्तों पर पलता है।* • ***क्षेत्र:*** *मुख्य रूप से उत्तर-पूर्वी राज्यों और असम के साथ-साथ बिहार, पश्चिम बंगाल और उड़ीसा में उत्पादन किया जाता है।* • ***महत्व:*** *असम से एक भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग वाला उत्पाद।* ***ओको-टेक्स प्रमाणन*** • ***इसके बारे में:*** *यह प्रमाणित करता है कि वस्त्र हानिकारक रसायनों से मुक्त हैं और इसलिए मानव उपयोग के लिए सुरक्षित हैं। साथ ही उनका उत्पादन पर्यावरण के अनुकूल परिस्थितियों में किया गया है।* • ***महत्व:*** *यह एरी सिल्क को वैश्विक निर्यात बाजार तक अपनी पहुंच का विस्तार करने और एक मजबूत अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति स्थापित करने में मदद करेगा।*
ज़ेब्राफ़िश	• ***सुर्खियों में क्यों*** *- एक नए अध्ययन में ज़ेब्राफ़िश की रीढ़ की हड्डी को पुनर्जीवित करने में शामिल कोशिकाओं का पता लगाया गया है।* • ***ज़ेब्राफ़िश के बारे में:*** ***उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों*** *में पाई जाने वाली एक छोटी (2-3 सेमी लंबी)* ***मीठे पानी*** *की मछली।* • ***नामकरण:*** *इसका नाम इसके शरीर की लंबाई तक चलने वाली* ***क्षैतिज नीली धारियों*** *के नाम पर रखा गया है।* • ***वितरण:*** ***दक्षिण एशिया*** *के* ***सिंधु-गंगा के मैदानी*** *इलाके, जहां वे ज्यादातर धान के खेतों और स्थिर पानी में पाई जाती हैं।* • ***IUCN लाल सूची स्थिति:*** *कम चिंता वाली प्रजाति।*
दक्षिण अमेरिकी लंगफिश	• ***सुर्खियों में क्यों :*** *विश्लेषण से पता चला है कि पिछले 100 मिलियन वर्षों के दौरान दक्षिण अमेरिकी लंगफिश जीनोम में बड़े पैमाने पर वृद्धि हुई है।* • ***दक्षिण अमेरिकी लंगफिश के बारे में:*** *एक मीठे पानी की प्रजाति, जो पहले भूमि कशेरुकियों के सबसे निकट जीवित रिश्तेदार है और 400 मिलियन वर्ष से भी अधिक पुराने अपने आदिम पूर्वजों से बहुत मिलती जुलती है।* • ***वितरण:*** *ब्राजील, अर्जेंटीना, पेरू, कोलंबिया, वेनेजुएला, फ्रेंच गुयाना और पैराग्वे*

	में धीमी गति से बहने वाले एवं स्थिर पानी में निवास करती है। • ***महत्व:*** *पृथ्वी पर किसी भी जानवर की तुलना में इसका जीनोम सबसे बड़ा है। इस लंगफिश की प्रत्येक कोशिका में डीएनए की लंबाई लगभग 60 मीटर तक होती है।*
ज्यूपिटर आइसी मून्स एक्सप्लोरर (JUICE)	• ***इसके बारे में:*** *यह रिमोट सेंसिंग, भूभौतिकीय और स्वस्थानी उपकरणों का उपयोग करके* ***बृहस्पति*** *और उसके* ***तीन बड़े महासागर वाले चंद्रमाओं*** *-* ***गेनीमेड, कैलिस्टो और यूरोपा*** *का विस्तृत अवलोकन करेगा। यह मिशन 2031 में बृहस्पति तक पहुंचेगा।* • ***जिम्मेदार एजेंसी*** *- यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी* • ***उद्देश्य:*** ○ *बृहस्पति की उत्पत्ति, इतिहास और विकास को समझने का प्रयास करके इसकी एक व्यापक तस्वीर बनाना।* ○ *बृहस्पति के रसायन विज्ञान, संरचना, गतिशीलता, मौसम और जलवायु और इसके लगातार बदलते वातावरण का विश्लेषण करना।* • ***इसमें 10 परिष्कृत उपकरण हैं:*** *वे मापेंगे कि गैनीमेड कैसे घूमता है। साथ ही इसका गुरुत्वाकर्षण, आकार एवं आंतरिक संरचना, चुंबकीय क्षेत्र और संरचना को भी मापेंगे।*
परवोवायरस बी19	• ***सुर्खियों में क्यों :*** *अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने हाल ही में परवोवायरस बी19 के मामलों में चिंताजनक वृद्धि के कारण एक स्वस्थ सलाह जारी की है।* • ***पार्वोवायरस बी19 के बारे में:*** *यह एक अत्यधिक संक्रामक बीमारी है, खासकर उन लोगों में जिनकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमज़ोर होती है।* • ***'स्लैपड चीक' बीमारी*** *– इसमें आमतौर पर गाल लाल हो जाते हैं।* • ***'पांचवीं बीमारी'*** *- पार्वोवायरस संक्रमण को 'पांचवीं बीमारी' के रूप में भी जाना जाता है, क्योंकि ऐतिहासिक रूप से, यह दाने की विशेषता वाली बचपन की आम बीमारियों की सूची में पांचवें स्थान पर था।* • ***संचरण:*** *जब कोई संक्रमित व्यक्ति खांसता या छींकता है तो वायरस हवा में मौजूद बूंदों के माध्यम से फैल सकता है। यह रक्त या दूषित रक्त उत्पादों के माध्यम से भी फैल सकता है। पीड़ित गर्भवती से भ्रूण में भी वायरस फैला सकते हैं।* ***लक्षण:*** • *पार्वोवायरस संक्रमण वाले ज़्यादातर लोगों में कोई लक्षण नहीं दिखते।* • *जब लक्षण दिखाई देते हैं, तो वे इस बात पर निर्भर करते हैं कि बीमारी होने पर आपकी उम्र कितनी है।* ***उपचार:*** • *पार्वोवायरस B19 संक्रमण आमतौर पर अपने आप ठीक हो जाते हैं।* • *उपचार में आमतौर पर बुखार, खुजली और जोड़ों में दर्द और सूजन जैसे लक्षणों से राहत शामिल होती है।*